an>

Title: Need for advanced technlogy to preserve the donated eyes in all the Govt. hospitals in the country.

श्री दुष्यंत चौटाला (हिसार) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक गंभीर विषय सदन के पटल पर रखना चाहूंगा। जहां एक ओर पूरे देश में एक मुहिम चलाई जाती है जिसे कहा जाता है नेत्रदान- महादान। दूसरी ओर हमारे देश के तीन बड़े रिसर्च इंस्टीट्यूट्स, जिनमें दिल्ली का एम्स, चंडीगढ़ का पी.जी.आई. और रोहतक का पी. जी.आई. है। हमें आर.टी.आई. के हवाले से पता चला है कि नेत्रदान हुआ, लेकिन उसके बाद दो हजार आंखें पिछले पांच वर्षों में उन अस्पतालों ने कूड़े के डिब्बे में डालने का काम किया गया है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अपील करूंगा कि इसकी डिटेल इंक्वायरी करायी जाये, क्योंकि एक ओर नेत्रदान इसलिए किया जाता है कि किसी नेत्रहीन व्यक्ति को आंखें लगाकर उसे नयी दिशा दी जा सके, वहीं दूसरी ओर अगर इस तरह की लापरवाही बरती जाती है तो हमने पिछले पांच वर्षों में दो हजार लोगों का अधिकार छीनकर उसे वेस्ट करने का काम किया है।

मैं एक अपील और करना चाहूंगा कि वर्ष 2013 में हमारी स्टूडैंट विंग, इंडियन नैशनल स्टूडैंट आर्गनाइजेशन ने एक कैम्प लगाया था, जिसमें 10, 540 आंखों को हमने आठ घंटे में दान करके एक रिकार्ड सेट करने का काम किया था। अगर इस तरह की लापरवाही होती है तो यह निंदा की बात है। मैं पूरे सदन से अपील करूंगा कि वे इसकी एक डिटेल इंक्वायरी करने की मांग करे।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Arvind Sawant is permitted to associate with the issue raised by Shri Dushyant Chautala.